प्रसद्धि जौलजीबी मेला का हुआ शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

14 नवंबर, 2022 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने काली एवं गोरी नदी के संगम स्थल जौलजीबी में भारत और नेपाल सीमा पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक जौलजीबी मेला एवं विकास प्रदर्शनी-2022 का शुभारंभ किया। यह मेला 24 नवंबर तक लगेगा।

प्रमुख बिंदु

- सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जौलजीबी मेला भारत, नेपाल तथा तिब्बत के पारस्परिक व्यापार को बढ़ावा देता रहा है। यह मेला भारत और नेपाल के बीच संस्कृति, सभ्यता, व्यापारिक संबंधों को बढ़ाकर देश के रिश्तों को ऑक्सीजन देता है।
- अंतर्राष्ट्रीय जौलजीबी मेले के शुभारंभ पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आपदा प्रभावित धारचूला के एलधारा भूस्खलन क्षेत्र का उपचार उत्तरकाशी के वरुणावत पर्वत की तर्ज़ पर किया जाएगा। क्षेत्र की काली नदी सहित सीमा पर अन्य स्थानों के भूस्खलन स्थलों के लिये बृहद् योजना की जा रही है। प्रस्ताव रक्षा और गृह मंत्रालय को भेजे गए हैं।
- उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र के विकास के लिये काली नदी पर डबल लेन मोटर पुल का निर्माण किया जा रहा है, जिससे भारत और नेपाल के बीच व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग का भी निर्माण और चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग बन जाने से कैलाश मानसरोवर जाने वाले यात्री इसी मार्ग से होकर जाएंगे, जिससे व्यापार बढ़ेगा और क्षेत्र का विकास होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/famous-jauljibi-trade-fair